हमारी कार्यक्रम की भावी रणनीति के बारे में कुछ विचार ..

अन्ना का अप्रैल,अगस्त और दिसम्बर 2011 का जनलोकपाल आन्दोलन वस्तुतः द्वितीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रारंभ था जिसने शासक वर्गों के होश उड़ा दिए थे. परन्तु जैसा महात्मा गाँधी कह गए हैं,काले शासक उन शासक से ज्यादा खतरनाक और भयावह हैं जिन्हें उन मानदंडों और सीमाओं की परवाह नहीं जो एक लोकतान्त्रिक शासन का आभूषण है.अन्ना के इन काले शासको द्वारा जो जहर उगले और भ्रम फैलाये जा रहे हैं उन्हें बिदेशी शासकों ने भी गांधीजी के साथ करने का नहीं सोचा होगा. झूठ और सच का ऐसा मिश्रण इतिहास के पन्नो में भी नहीं मिलता और यह सब अपनी गद्दी को अछुन्न बनाने के लिए किया जा रहा है. जिन शासक वर्गों को अपनी गद्दी की चिंता हो वे अपनी त्रुटी और अपने कुकृत्यों को नहीं सुन पाते.नेहरु,शास्त्री और इंदिरा युग स्वतंत्रता के वाद इसका अपवाद रहा है. परन्तु नेहरु युग के समाप्ति के साथ ही शासकों के लिए देशहित के बदले अपनी गद्दी सुरक्षित रखने में ही आस्था एवं रूचि रही है. यह दुखद शितति है की वर्तमान परिस्थिति में भी अन्य राजनितिक दलों के कार्य भी कम से कम प्रशंसनीय नहीं हैं. और स्वार्थनीति के उपर उठकर राजनीति न करते और न सोचते हैं.

आज आवश्यकता है जागरूकता की ,भारत के भविष्य को जागरूक होने की.अतः सभी भविष्य के कार्यक्रम एवं आन्दोलन के लिए यह आवश्यक है की भावी पीढ़ी की संलग्नता ,दृढ़ता और जागरूकता को बढाया जाए.और उनके मन से दर का भाव हटाया जाय.विदेशी तंत्र से लड़ने हेतु गाँधी ने इसी डर को मिटाने हेतु जेल भरो अभियान चलाया था. डर के मिटाने के साथ ही युवको के मानसिक विकास एवं कार्यक्रम में आस्था एवं दृढ विश्वास के लिए भावी पीढ़ी के नागरिकों के साथ एक शक्तिशाली संगठन और प्रभावी कार्यक्रम की भी नितांत आवश्यकता है जो एक मजबूत राष्ट्रीय ढांचे में आबद्ध हो. आन्दोलन को सफल बनाने के लिए संरचनात्मक संरचना को ब्यापक और विकेन्द्रित करने के साथ ही भावी पीढ़ी को दिशा परिवर्तन हेतु एक सूत्र में बांधने का कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर चलना चाहिए.इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिय समान विचार के बुद्धिजीवियों एवं गहन चिंतको का सहयोग अपेक्षित है.और अवकाश प्राप्त वैसे शिक्षकों का भी एक सह संगठन हो जो देश को वर्तमान स्थिति से उबारने के लिए विश्वविद्यालयी और उच्च विद्यालयों के स्तर पर छात्र संगठनो का गठन कर उन्हें उद्वेलित करें

@इंडिया अगेंस्ट करप्सन जमशेदपुर